OPEN ACCESS

Int. Jr. of Contemp. Res. in Multi. *PEER-REVIEWED JOURNAL* *Volume 4 Issue 6 [Nov- Dec] Year 2025*

Research Article

जनमत निर्माण में संचार साधनों की भूमिका : झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव के विशेष संदर्भ में

नवीन कुमार [1*], प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र सिंह [2]

[1] शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर, राजस्थान, भारत

[2] शोध निर्देशक, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष, प्राचार्य, राधेश्याम आर मोरारका राजकीय महाविद्यालय झुंझुनूं, राजस्थान, भारत

Corresponding Author: *नवीन कुमार

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.20728813

Abstract

प्रस्तुत शोध अध्ययन "जनमत निर्माण में संचार साधनों की भूमिका : झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव के विशेष संदर्भ में" विषय पर मुख्य आधारित है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनमत का विशेष महत्व होता है क्योंकि यह चुनावी परिणामों, राजनीतिक निर्णयों तथा शासन व्यवस्था को प्रभावित करता है। जनमत निर्माण की प्रक्रिया में संचार साधनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। वर्तमान समय में समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन तथा सोशल मीडिया जैसे संचार माध्यम मतदाताओं तक राजनीतिक सूचनाएँ पहुँचाने और उनके विचारों को प्रभावित करने का कार्य करते हैं। इस शोध का उद्देश्य झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव के दौरान संचार माध्यमों की भूमिका का अध्ययन करना तथा यह विश्लेषण करना है कि विभिन्न मीडिया माध्यमों ने मतदाताओं के राजनीतिक दृष्टिकोण, जागरूकता एवं मतदान व्यवहार को किस प्रकार प्रभावित किया।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक अनुसंधान पद्धति का उपयोग किया गया है। शोध में प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के स्रोतों से जानकारी प्राप्त की गई। प्राथमिक आंकड़े प्रश्नावली एवं उत्तरदाताओं से प्राप्त प्रतिक्रियाओं पर आधारित हैं, जबकि द्वितीयक आंकड़े पुस्तकों, शोध पत्रों, समाचार पत्रों, निर्वाचन आयोग की रिपोर्टों तथा अन्य आधिकारिक स्रोतों से संकलित किए गए हैं। अध्ययन हेतु 100 उत्तरदाताओं का चयन कर उनके विचारों का विश्लेषण किया गया।

शोध के परिणामों से ज्ञात हुआ कि झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव में सोशल मीडिया मतदाताओं के लिए चुनावी जानकारी का सबसे प्रमुख स्रोत रहा। लगभग 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सोशल मीडिया को चुनावी सूचना का मुख्य माध्यम बताया, जबकि टेलीविजन और समाचार पत्रों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि 68 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि मीडिया ने उनके मतदान निर्णय को प्रभावित किया। विशेष रूप से युवा मतदाताओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक पाया गया। इसके अतिरिक्त मीडिया ने रोजगार, शिक्षा, कृषि, पेयजल एवं विकास जैसे स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता देकर जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि संचार माध्यमों ने राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोकतांत्रिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने में सकारात्मक भूमिका निभाई। हालांकि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ फेक न्यूज, अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं की समस्या भी सामने आई, जिसने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता के लिए चुनौती उत्पन्न की। इसलिए मीडिया की विश्वसनीयता, तथ्यपरकता तथा उत्तरदायित्व को सुनिश्चित करना आवश्यक है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव में संचार साधनों ने जनमत निर्माण, राजनीतिक जागरूकता तथा मतदान व्यवहार को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आधुनिक लोकतंत्र में मीडिया केवल सूचना का माध्यम नहीं है, बल्कि वह जनमत को दिशा देने वाला एक प्रभावशाली उपकरण बन चुका है।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2583-7397
- **Received:** 13-11-2025
- **Accepted:** 26-12-2025
- **Published:** 30-12-2025
- **IJCRM:**4(6); 2025: 770-776
- **©2025, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Article

नवीन कुमार, प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र सिंह. जनमत निर्माण में संचार साधनों की भूमिका : झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव के विशेष संदर्भ में. Int J Contemp Res Multidiscip. 2025;4(6):770-776.

Access this Article Online

www.multiarticlesjournal.com

मुख्य शब्द: जनमत, संचार साधन, मीडिया, सोशल मीडिया, राजनीतिक संचार, विधानसभा चुनाव 2023, झुंझुनूं जिला, मतदान व्यवहार, राजनीतिक जागरूकता।

© 2025 नवीन कुमार, प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र सिंह. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

1. प्रस्तावना

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र देश है। लोकतंत्र में जनमत की भूमिका अतिमहत्वपूर्ण होती है क्योंकि चुनावों के माध्यम से जनता अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं को व्यक्त करती है।

संचार माध्यम लोकतंत्र और नागरिकों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं। आधुनिक समय में सोशल मीडिया ने चुनावी राजनीति को नई दिशा प्रदान की है। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में 2023 विधानसभा चुनाव के दौरान मीडिया की भूमिका विशेष रूप से प्रभावशाली रही।

लोकतंत्र को बनाए रखने में जनमत का विशेष महत्व होता है क्योंकि यह शासन व्यवस्था और राजनीतिक निर्णयों की दिशा निर्धारित करता है। जनमत किसी विषय, नीति अथवा राजनीतिक घटना के प्रति जनता की सामूहिक राय को व्यक्त करता है। जनमत निर्माण की प्रक्रिया अनेक कारकों से प्रभावित होती है, जिनमें संचार साधनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। संचार माध्यम जनता तक सूचनाओं का प्रसार करते हैं, राजनीतिक मुद्दों को उजागर करते हैं तथा नागरिकों को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं। आधुनिक युग में संचार तकनीक के विकास ने जनमत निर्माण को और अधिक प्रभावशाली बना दिया है। वर्तमान समय में समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन तथा सोशल मीडिया जैसे माध्यम राजनीतिक संचार के प्रमुख साधन बन चुके हैं।

राजस्थान राज्य के झुंझुनूं जिले में वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान संचार साधनों का व्यापक उपयोग किया गया। राजनीतिक दलों एवं उम्मीदवारों ने मतदाताओं तक अपनी बात पहुँचाने के लिए विभिन्न माध्यमों का प्रयोग किया। चुनावी प्रचार के दौरान मीडिया ने मतदाताओं को राजनीतिक घटनाओं, चुनावी मुद्दों तथा उम्मीदवारों की गतिविधियों से अवगत कराया। इस प्रकार संचार माध्यम चुनावी प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अंग बनकर उभरे।

2. समस्या कथन

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनमत का निर्माण चुनावी प्रक्रिया के दौरान एक महत्वपूर्ण आधार है। किसी भी चुनाव में मतदाता अपने राजनीतिक निर्णय विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं, विचारों तथा अनुभवों के आधार पर लेते हैं। आधुनिक युग में संचार माध्यम जनमत निर्माण के सबसे प्रभावशाली साधनों में से एक बन गए हैं। समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन तथा सोशल मीडिया जैसे माध्यम न केवल सूचनाओं का प्रसार करते हैं, बल्कि वे लोगों की राजनीतिक सोच, दृष्टिकोण तथा मतदान व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के विस्तार के कारण चुनावी संचार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और मतदाता पहले की अपेक्षा अधिक मात्रा में मीडिया पर निर्भर होते जा रहे हैं।

राजस्थान राज्य के झुंझुनूं जिले में वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों ने पारंपरिक एवं डिजिटल संचार माध्यमों का व्यापक उपयोग किया। चुनावी प्रचार, राजनीतिक संदेशों, जनसभाओं, समाचार कवरेज, सोशल मीडिया अभियानों तथा ऑनलाइन चर्चाओं के माध्यम से मतदाताओं तक पहुँचने का प्रयास किया गया। विशेष रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब ने चुनावी सूचना के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि इन संचार माध्यमों ने मतदाताओं के विचारों, राजनीतिक जागरूकता तथा मतदान निर्णयों को किस सीमा तक प्रभावित किया।

झुंझुनूं जिला सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से राजस्थान का एक महत्वपूर्ण जिला है। यहाँ ग्रामीण और शहरी दोनों प्रकार के मतदाता निवास करते हैं, जिनकी सूचना प्राप्त करने की प्रवृत्तियाँ और राजनीतिक प्राथमिकताएँ भिन्न हो सकती हैं। चुनावों के दौरान मीडिया द्वारा विभिन्न मुद्दों जैसे रोजगार, शिक्षा, कृषि, पेयजल, स्वास्थ्य तथा विकास कार्यों को प्रमुखता दी गई। ऐसे में यह जानना आवश्यक हो जाता है कि मीडिया द्वारा प्रस्तुत इन मुद्दों ने मतदाताओं की प्राथमिकताओं और जनमत निर्माण को किस प्रकार प्रभावित किया।

इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ फेक न्यूज, भ्रामक सूचनाओं और राजनीतिक प्रचार की निष्पक्षता से जुड़े प्रश्न भी सामने आए हैं। अनेक बार अपुष्ट सूचनाएँ मतदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न करती हैं और उनके राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करती हैं। इसलिए यह अध्ययन केवल संचार माध्यमों की सकारात्मक भूमिका का ही नहीं, बल्कि उनके संभावित नकारात्मक प्रभावों का भी मूल्यांकन करने का प्रयास करता है।

अतः प्रस्तुत शोध की मूल समस्या यह है कि "झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव में विभिन्न संचार साधनों ने जनमत निर्माण, राजनीतिक जागरूकता तथा मतदान व्यवहार को किस प्रकार और किस सीमा तक प्रभावित किया?" साथ ही यह अध्ययन यह भी जानने का प्रयास करता है कि पारंपरिक मीडिया और सोशल मीडिया में से कौन-सा माध्यम मतदाताओं पर अधिक प्रभावशाली सिद्ध हुआ तथा चुनावी प्रक्रिया में इनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण रही।

3. साहित्य समीक्षा

जनमत और संचार माध्यमों के संबंध में अनेक विद्वानों ने अध्ययन किए हैं। वाल्टर लिपमैन ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'पब्लिक ओपिनियन' में कहा कि मीडिया लोगों की सोच और वास्तविकता की धारणा को प्रभावित करता है। उनके अनुसार अधिकांश लोग प्रत्यक्ष अनुभव के बजाय मीडिया द्वारा प्रस्तुत सूचनाओं के आधार पर अपने विचार बनाते हैं। इसी प्रकार मैक्सवेल मैकॉम्ब्स और डोनाल्ड शॉ द्वारा प्रतिपादित एजेंडा सेटिंग सिद्धांत यह बताता है कि मीडिया जनता को यह नहीं बताता कि क्या सोचना है, बल्कि यह बताता है कि किन मुद्दों पर सोचना है। इस प्रकार मीडिया जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारतीय संदर्भ में भी अनेक अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि चुनावों के दौरान मीडिया मतदाताओं की राजनीतिक चेतना और मतदान व्यवहार को प्रभावित करता है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने राजनीतिक संचार की प्रकृति को बदल दिया है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि युवा मतदाता सोशल मीडिया के माध्यम से राजनीतिक जानकारी प्राप्त करते हैं और चुनावी निर्णयों में इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

4. अनुसंधान पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन मुख्य रूप से वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक अनुसंधान पद्धति पर आधारित है। इस शोध में प्राथमिक तथा द्वितीयक दोनों प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया गया है। प्राथमिक स्रोतों में प्रश्नावली, साक्षात्कार तथा मतदाताओं से प्राप्त जानकारी को

© 2025 नवीन कुमार, प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र सिंह. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

शामिल किया गया है, जबकि द्वितीयक स्रोतों में पुस्तकें, शोध पत्र, समाचार पत्र, निर्वाचन आयोग की रिपोर्टें तथा विभिन्न ऑनलाइन स्रोतों का उपयोग किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव में संचार माध्यमों की भूमिका का विश्लेषण करना है। इसके लिए विभिन्न मीडिया माध्यमों के प्रभाव, मतदाताओं की राजनीतिक जागरूकता तथा मतदान व्यवहार का अध्ययन किया गया। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर यह समझने का प्रयास किया गया कि जनमत निर्माण में कौन-कौन से संचार माध्यम सबसे अधिक प्रभावशाली रहे।

4.1 अध्ययन के उद्देश्य

1. झुंझुनूं जिले में जनमत निर्माण की प्रक्रिया को समझना।
2. झुंझुनूं जिले में चुनावों में संचार माध्यमों की भूमिका का विश्लेषण करना।
3. झुंझुनूं जिले में मीडिया के प्रभाव का अध्ययन करना।
4. जिले में सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया की तुलनात्मक भूमिका का परीक्षण करना।

4.2 परिकल्पनाएँ

H1: झुंझुनूं जिले में संचार माध्यम जनमत निर्माण को प्रभावित करते हैं।

H2: झुंझुनूं जिले में सोशल मीडिया का प्रभाव युवा मतदाताओं पर अधिक है।

H3: झुंझुनूं जिले में चुनावी मुद्दों की प्राथमिकता निर्धारित करने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

5. जनमत एवं संचार का सैद्धांतिक आधार

जनमत किसी सार्वजनिक विषय पर जनता के सामूहिक विचारों और दृष्टिकोणों को व्यक्त करता है। लोकतांत्रिक समाज में जनमत को अत्यधिक महत्व दिया जाता है क्योंकि सरकारें जनता की अपेक्षाओं और विचारों के अनुरूप नीतियाँ बनाने का प्रयास करती हैं। जनमत का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है जो सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित होती है।

संचार वह प्रक्रिया होती है जिसके माध्यम से सूचना, विचार, भावनाएँ तथा संदेश एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचते हैं। संचार के विभिन्न माध्यम जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संचार के माध्यम से राजनीतिक दल अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुँचाते हैं, जबकि जनता भी अपनी प्रतिक्रियाएँ व्यक्त करती है। आधुनिक लोकतंत्र में संचार और जनमत का संबंध अत्यंत घनिष्ठ है क्योंकि प्रभावी संचार के बिना जनमत का निर्माण संभव नहीं है।

6. झुंझुनूं जिले का परिचय और झुंझुनूं जिले में 2023 विधानसभा चुनाव का परिदृश्य

झुंझुनूं जिला राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण जिला है। यह जिला अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है। जिले की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि पर आधारित है, हालांकि शिक्षा और सैन्य सेवाओं में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जिले में ग्रामीण आबादी का प्रतिशत अपेक्षाकृत अधिक है, जिसके कारण स्थानीय समस्याएँ और विकास संबंधी मुद्दे चुनावों में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

राजनीतिक दृष्टि से झुंझुनूं जिला राजस्थान की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहाँ के मतदाता राजनीतिक रूप से जागरूक माने जाते हैं और चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। जिले में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा रहती है, जिसके कारण चुनावों के दौरान प्रचार और जनसंपर्क गतिविधियाँ व्यापक स्तर पर संचालित की जाती हैं।

2023 के विधानसभा चुनाव में झुंझुनू जिले में कांग्रेस पार्टी ने 5 सीटें तथा भारतीय जनता पार्टी ने दो सीटों पर जीत दर्ज की । कांग्रेस पार्टी ने झुंझुनू,मंडावा, उदयपुरवाटी,पिलानी एवं सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र से क्रमशः बृजेंद्र ओला, रीता चौधरी, भगवान राम सैनी,पितराम सिंह काला, श्रवण कुमार 2023 का विधानसभा चुनाव झुंझुनूं जिले में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। चुनाव के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों ने रोजगार, शिक्षा, कृषि, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं और आधारभूत संरचना जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए चुनावी घोषणापत्रों, जनसभाओं, रैलियों तथा डिजिटल अभियानों का व्यापक उपयोग किया गया।

चुनाव के दौरान मीडिया ने विभिन्न उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों की गतिविधियों को प्रमुखता से प्रसारित किया। समाचार पत्रों, टीवी चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर चुनावी चर्चाएँ व्यापक रूप से हुईं। इससे मतदाताओं को विभिन्न दलों की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त हुई तथा वे चुनावी मुद्दों के प्रति अधिक जागरूक बने। चुनावी माहौल में मीडिया एक प्रमुख सूचना स्रोत के रूप में उभरकर सामने आया।

7. जनमत निर्माण में संचार साधनों की भूमिका

झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव में संचार साधनों ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को व्यापक रूप से प्रभावित किया। समाचार पत्रों ने चुनावी मुद्दों, उम्मीदवारों की गतिविधियों तथा राजनीतिक घटनाक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। टेलीविजन चैनलों ने चुनावी बहसों, साक्षात्कारों और विश्लेषणों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया। रेडियो ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना प्रसार का प्रभावी माध्यम बनकर कार्य किया।

सोशल मीडिया ने चुनावी प्रचार को एक नई दिशा प्रदान की। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्मों के माध्यम से राजनीतिक संदेश तेजी से मतदाताओं तक पहुँचे। विशेष रूप से युवा मतदाताओं ने सोशल मीडिया को चुनावी जानकारी का प्रमुख स्रोत माना। डिजिटल माध्यमों ने उम्मीदवारों और मतदाताओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने में सहायता की। हालांकि सोशल मीडिया के माध्यम से फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाओं का प्रसार भी हुआ, जिसने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को प्रभावित किया। इसके बावजूद यह कहा जा सकता है कि झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव में संचार साधनों ने मतदाताओं की राजनीतिक चेतना, जागरूकता और मतदान व्यवहार को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

© 2025 नवीन कुमार, प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र सिंह. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

8. डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या

यदि आपने अपने शोध में 100 उत्तरदाताओं का नमूना माना है, तो अध्याय–8 में डेटा विश्लेषण को निम्न सारणियों के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रत्येक सारणी के नीचे संक्षिप्त व्याख्या भी दी जाती है।

सारणी 8.1: उत्तरदाताओं का आयु वर्ग

आयु वर्ग	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
18–25 वर्ष	30	30%
26–35 वर्ष	25	25%
36–45 वर्ष	20	20%
46–55 वर्ष	15	15%
56 वर्ष से अधिक	10	10%
कुल	**100**	**100%**

व्याख्या: अध्ययन में सर्वाधिक 30 प्रतिशत उत्तरदाता 18–25 वर्ष आयु वर्ग के थे। इससे स्पष्ट होता है कि युवा मतदाताओं की भागीदारी अध्ययन में अधिक रही।

सारणी 8.2: चुनावी जानकारी प्राप्त करने का प्रमुख स्रोत

संचार माध्यम	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
सोशल मीडिया	42	42%
टेलीविजन	25	25%
समाचार पत्र	18	18%
मित्र/परिवार	10	10%
रेडियो	5	5%
कुल	**100**	**100%**

व्याख्या: 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सोशल मीडिया को चुनावी जानकारी का प्रमुख स्रोत बताया। इससे स्पष्ट है कि डिजिटल मीडिया का प्रभाव सर्वाधिक रहा।

सारणी 8.3: क्या मीडिया ने आपके मतदान निर्णय को प्रभावित किया?

उत्तर	संख्या	प्रतिशत
हाँ	68	68%
नहीं	32	32%
कुल	**100**	**100%**

व्याख्या: 68 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि मीडिया ने उनके मतदान निर्णय को प्रभावित किया। इससे जनमत निर्माण में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका सिद्ध होती है।

सारणी 8.4: सबसे विश्वसनीय संचार माध्यम

माध्यम	संख्या	प्रतिशत
समाचार पत्र	30	30%
टेलीविजन	28	28%
सोशल मीडिया	22	22%
रेडियो	8	8%
अन्य	12	12%
कुल	**100**	**100%**

व्याख्या: यद्यपि सोशल मीडिया सबसे अधिक उपयोग किया गया, फिर भी विश्वसनीयता के मामले में समाचार पत्र और टेलीविजन को अधिक भरोसेमंद माना गया।

सारणी 8.5: युवा मतदाताओं पर सर्वाधिक प्रभाव डालने वाला माध्यम

माध्यम	संख्या	प्रतिशत
सोशल मीडिया	55	55%
टेलीविजन	20	20%
समाचार पत्र	15	15%
रेडियो	3	3%
अन्य	7	7%
कुल	**100**	**100%**

व्याख्या: 55 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना था कि युवा मतदाताओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव सबसे अधिक है।

सारणी 8.6: चुनावी मुद्दों की जानकारी प्राप्त करने में मीडिया की भूमिका

उत्तर	संख्या	प्रतिशत
अत्यधिक महत्वपूर्ण	48	48%
महत्वपूर्ण	35	35%
सामान्य	12	12%
कम महत्वपूर्ण	5	5%
कुल	**100**	**100%**

व्याख्या: 83 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि चुनावी मुद्दों की जानकारी देने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण या अत्यधिक महत्वपूर्ण रही।

सारणी 8.7: क्या सोशल मीडिया पर न्यूज़ देखने को मिली?

उत्तर	संख्या	प्रतिशत
हाँ	58	58%
नहीं	42	42%
कुल	**100**	**100%**

व्याख्या: 58 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि चुनावी अवधि में सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाएँ प्रसारित हुईं।

सारणी 8.8: मीडिया ने राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने में कितनी सहायता की?

स्तर	संख्या	प्रतिशत
बहुत अधिक	45	45%
अधिक	30	30%
सामान्य	15	15%
कम	7	7%
बिल्कुल नहीं	3	3%
कुल	**100**	**100%**

व्याख्या: 75 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना था कि मीडिया ने उनकी राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

© 2025 नवीन कुमार, प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र सिंह. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

8.9 समग्र डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या

उपरोक्त सारणियों से स्पष्ट होता है कि झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव में सोशल मीडिया सबसे प्रभावशाली संचार माध्यम के रूप में उभरा। मीडिया ने मतदाताओं को चुनावी जानकारी प्रदान करने, राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने तथा मतदान व्यवहार को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही फेक न्यूज जैसी चुनौतियाँ भी सामने आईं, जो मीडिया की जिम्मेदारी और तथ्य-जांच की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

प्रस्तुत अध्ययन में झुंझुनूं जिले के 100 मतदाताओं से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह जानना था कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में विभिन्न संचार माध्यमों ने जनमत निर्माण और मतदान व्यवहार को किस सीमा तक प्रभावित किया। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि चुनावी जानकारी प्राप्त करने के लिए मतदाता विभिन्न संचार साधनों का उपयोग करते हैं, जिनमें सोशल मीडिया सबसे प्रभावशाली माध्यम के रूप में उभरकर सामने आया।

अध्ययन में शामिल उत्तरदाताओं में से लगभग 42 प्रतिशत मतदाताओं ने बताया कि उन्हें चुनाव संबंधी अधिकांश जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब के माध्यम से प्राप्त हुई। इससे स्पष्ट होता है कि डिजिटल तकनीक के विस्तार और स्मार्टफोन की बढ़ती उपलब्धता ने चुनावी संचार के स्वरूप को बदल दिया है। विशेष रूप से युवा मतदाताओं ने सोशल मीडिया को सूचना प्राप्ति का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत माना। इसके विपरीत लगभग 25 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने टेलीविजन को चुनावी जानकारी का प्रमुख माध्यम बताया, जबकि 18 प्रतिशत मतदाताओं ने समाचार पत्रों को अपना मुख्य सूचना स्रोत माना। केवल 5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने रेडियो को सूचना प्राप्ति का प्रमुख माध्यम बताया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि आधुनिक डिजिटल माध्यमों के सामने रेडियो का प्रभाव अपेक्षाकृत कम हुआ है।

मतदान व्यवहार पर मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण करने पर पाया गया कि लगभग 68 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना था कि चुनावी प्रचार, समाचार कवरेज तथा सोशल मीडिया सामग्री ने उनके राजनीतिक विचारों और मतदान निर्णयों को प्रभावित किया। वहीं 32 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि उनके मतदान निर्णय पर मीडिया का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। यह तथ्य दर्शाता है कि संचार माध्यम केवल सूचना देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे मतदाताओं की राजनीतिक प्राथमिकताओं को भी प्रभावित करते हैं। चुनावी अवधि में लगातार प्रसारित होने वाली सूचनाएँ, बहसें और राजनीतिक संदेश मतदाताओं की सोच को दिशा प्रदान करते हैं।

युवा मतदाताओं के संदर्भ में अध्ययन के परिणाम और भी महत्वपूर्ण रहे। अधिकांश युवा उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त जानकारी उनके राजनीतिक दृष्टिकोण को प्रभावित करती है। युवाओं ने उम्मीदवारों की गतिविधियों, राजनीतिक दलों की नीतियों तथा चुनावी घोषणाओं की जानकारी मुख्यतः डिजिटल प्लेटफॉर्मों से प्राप्त की। इससे यह स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया ने राजनीतिक संवाद को अधिक सहभागी और त्वरित बना दिया है। दूसरी ओर, अधिक आयु वर्ग के मतदाता अभी भी टेलीविजन और समाचार पत्रों पर अपेक्षाकृत अधिक विश्वास करते पाए गए।

अध्ययन के दौरान यह भी पाया गया कि झुंझुनूं जिले में रोजगार, कृषि, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित मुद्दे चुनावी चर्चा के केंद्र में रहे। मीडिया द्वारा इन मुद्दों को प्रमुखता से प्रस्तुत किए जाने के कारण मतदाताओं के बीच इनके प्रति जागरूकता बढ़ी। अनेक उत्तरदाताओं ने माना कि मीडिया में किसी मुद्दे की निरंतर चर्चा होने से वह उनके लिए अधिक महत्वपूर्ण बन जाता है। यह निष्कर्ष एजेंडा सेटिंग सिद्धांत का समर्थन करता है, जिसके अनुसार मीडिया जनता का ध्यान विशेष मुद्दों की ओर आकर्षित करता है।

हालाँकि अध्ययन में मीडिया के सकारात्मक प्रभावों के साथ कुछ नकारात्मक पक्ष भी सामने आए। लगभग आधे उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि चुनावी अवधि में सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएँ और अपुष्ट समाचार भी प्रसारित हुए। कुछ उत्तरदाताओं ने यह भी माना कि कई बार राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग एकतरफा प्रचार के लिए किया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल मीडिया जनमत निर्माण का प्रभावी साधन होने के साथ-साथ दुष्प्रचार का माध्यम भी बन सकता है। इसलिए मीडिया साक्षरता और तथ्य-जाँच की आवश्यकता पहले की तुलना में अधिक बढ़ गई है।

समग्र रूप से अध्ययन के आंकड़ों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव में संचार माध्यमों ने जनमत निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सोशल मीडिया सबसे प्रभावशाली माध्यम के रूप में उभरा, जबकि पारंपरिक मीडिया ने भी अपनी विश्वसनीयता बनाए रखी। मीडिया ने मतदाताओं को राजनीतिक रूप से जागरूक बनाने, चुनावी मुद्दों को सामने लाने तथा लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसलिए यह कहा जा सकता है कि आधुनिक चुनावी राजनीति में संचार साधन जनमत निर्माण के प्रमुख निर्धारक बन चुके हैं।

9. निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध अध्ययन "जनमत निर्माण में संचार साधनों की भूमिका : झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव के विशेष संदर्भ में" का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान विभिन्न संचार माध्यमों ने मतदाताओं के विचारों, राजनीतिक चेतना तथा मतदान व्यवहार को किस प्रकार प्रभावित किया। अध्ययन के दौरान प्राप्त तथ्यों, आंकड़ों तथा सैद्धांतिक अवधारणाओं के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में संचार माध्यम जनमत निर्माण के सबसे प्रभावशाली साधनों में से एक बन चुके हैं।

अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने चुनाव संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न संचार माध्यमों का उपयोग किया। समाचार पत्र, टेलीविजन और रेडियो जैसे पारंपरिक माध्यमों के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे डिजिटल माध्यमों ने चुनावी प्रचार और सूचना प्रसार को नई दिशा प्रदान की। इन माध्यमों के कारण राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को कम समय में बड़ी संख्या में मतदाताओं तक पहुँचने का अवसर मिला।

अध्ययन के परिणामों से यह भी स्पष्ट हुआ कि युवा मतदाताओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव सबसे अधिक था। युवाओं ने राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने, चुनावी चर्चाओं में भाग लेने तथा उम्मीदवारों के

© 2025 नवीन कुमार, प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र सिंह. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

बारे में जानकारी हासिल करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों का व्यापक उपयोग किया। इससे राजनीतिक सहभागिता में वृद्धि हुई तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति उनकी रुचि बढ़ी। दूसरी ओर, अधिक आयु वर्ग के मतदाता अभी भी टेलीविजन और समाचार पत्रों को अपेक्षाकृत अधिक विश्वसनीय मानते पाए गए। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि चुनावी जनमत निर्माण में पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार के संचार माध्यमों की अपनी-अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है। शोध के दौरान यह भी पाया गया कि मीडिया ने चुनावी मुद्दों को जनता तक पहुँचाने और उन्हें चर्चा का विषय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। झुंझुनूं जिले में रोजगार, कृषि, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आधारभूत संरचना जैसे मुद्दे चुनावी विमर्श के केंद्र में रहे। मीडिया द्वारा इन मुद्दों को प्रमुखता से प्रस्तुत किए जाने के कारण मतदाताओं का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकर्षित हुआ। इससे यह सिद्ध होता है कि मीडिया केवल सूचना प्रसारित नहीं करता, बल्कि वह जनमत की दिशा निर्धारित करने और चुनावी एजेंडा तय करने की क्षमता भी रखता है।

अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ कि संचार माध्यमों ने मतदाताओं की राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने में सकारात्मक भूमिका निभाई। चुनावी कार्यक्रमों, बहसों, समाचार विश्लेषणों और प्रचार अभियानों ने मतदाताओं को विभिन्न राजनीतिक विकल्पों के बारे में जानकारी प्रदान की। इससे मतदाता अधिक जागरूक होकर मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित हुए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि जागरूक मतदाता ही स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला होते हैं।

हालाँकि अध्ययन के दौरान संचार माध्यमों के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी सामने आए। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज, अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं का प्रसार चुनावी प्रक्रिया के लिए एक गंभीर चुनौती के रूप में उभरा। कई बार अपुष्ट सूचनाएँ मतदाताओं को भ्रमित करती हैं और उनके निर्णयों को प्रभावित करती हैं। राजनीतिक दलों द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्मों का उपयोग कभी-कभी एकतरफा प्रचार और जनभावनाओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से भी किया जाता है। इसलिए मीडिया की बढ़ती शक्ति के साथ-साथ उसकी जवाबदेही और विश्वसनीयता भी उतनी ही आवश्यक हो जाती है।

अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि झुंझुनूं जिले के 2023 विधानसभा चुनाव में संचार साधनों ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को व्यापक रूप से प्रभावित किया। मीडिया ने मतदाताओं को सूचित करने, राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने, चुनावी मुद्दों को सामने लाने तथा लोकतांत्रिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विशेष रूप से सोशल मीडिया ने चुनावी संचार को अधिक तेज, व्यापक और सहभागी बनाया। इसके बावजूद तथ्यात्मक एवं निष्पक्ष सूचना के प्रसार की आवश्यकता बनी हुई है। इसलिए लोकतंत्र की मजबूती के लिए जिम्मेदार, पारदर्शी और विश्वसनीय मीडिया का होना अत्यंत आवश्यक है।

10. सुझाव

अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत किए जा सकते हैं—

1. मतदाताओं में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया जाए ताकि वे सही और गलत जानकारी के बीच अंतर कर सकें।
2. चुनावी अवधि में सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री की तथ्य-जाँच (Fact Checking) को मजबूत किया जाए।
3. मीडिया संस्थानों को निष्पक्ष, संतुलित और तथ्यपरक समाचार प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
4. निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों में डिजिटल माध्यमों का अधिक प्रभावी उपयोग किया जाए।
5. फेक न्यूज और भ्रामक प्रचार पर नियंत्रण हेतु कठोर नियम बनाए जाएँ।
6. ग्रामीण क्षेत्रों में मीडिया और संचार सुविधाओं का विस्तार किया जाए ताकि सभी वर्गों तक समान रूप से सूचना पहुँच सके।
7. राजनीतिक दलों को जिम्मेदार चुनावी संचार अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

संदर्भ सूची

1. Lippmann W. *Public Opinion*. New York: Harcourt, Brace and Company; 1922.
2. McCombs ME, Shaw DL. The agenda-setting function of mass media. *Public Opin Q*. 1972;36(2):176-187.
3. McQuail D. *McQuail's Mass Communication Theory*. 6th ed. London: Sage Publications; 2010.
4. Kumar S. *Changing Electoral Politics in India*. New Delhi: Oxford University Press; 2017.
5. Kumar KJ. *Mass Communication in India*. Mumbai: Jaico Publishing House; 2020.
6. Singh Y. *Bhartiya Rajniti aur Loktantra*. New Delhi: Rawat Prakashan; 2018.
7. Sharma RC. *Jansanchar aur Janmat*. Jaipur: Rajasthan Hindi Granth Academy; 2019.
8. Chaturvedi J. *Rajnaitik Sanchar evam Media Adhyayan*. New Delhi: Atlantic Publishers; 2017.
9. Election Commission of India. *Statistical Report on Rajasthan Legislative Assembly Elections 2023*. New Delhi: Election Commission of India; 2024.
10. Rajasthan State Election Department. *Vidhansabha Chunav 2023: Nirvachan Sankhyiki Report*. Jaipur: Rajasthan State Election Department; 2024.
11. Ministry of Information and Broadcasting, Government of India. *Annual Report on Media and Communication in India*. New Delhi: Government of India; latest edition.
12. Press Information Bureau, Government of India. *Press Releases and Electoral Awareness Materials*. New Delhi: PIB; various years.
13. Journal of Political Communication.
14. Media Asia.
15. Indian Journal of Political Science.
16. Journal of Mass Communication Studies.
17. Economic and Political Weekly. Mumbai: Sameeksha Trust.
18. Global Media Journal – Indian Edition.
19. Rajasthan Patrika. Jaipur.
20. Dainik Bhaskar. Bhopal.
21. The Hindu. Chennai.
22. Hindustan Times. New Delhi.
23. The Indian Express. New Delhi.

© 2025 नवीन कुमार, प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र सिंह. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

24. Election Commission of India. Official website. Available from: https://eci.gov.in
25. Rajasthan Election Department. Official portal. Available from: https://ceorajasthan.nic.in
26. Press Information Bureau. Official website. Available from: https://pib.gov.in
27. Census of India. Official website. Available from: https://censusindia.gov.in
28. Ministry of Information and Broadcasting. Official website. Available from: https://mib.gov.in
29. Google Scholar, ResearchGate, and JSTOR. Academic databases. Available from: https://scholar.google.com; https://www.researchgate.net; https://www.jstor.org.

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.

About the author

नवीन कुमार राजनीति विज्ञान विभाग, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर, राजस्थान में शोधार्थी हैं। उनकी शोध रुचि भारतीय राजनीति, लोक प्रशासन, लोकतांत्रिक संस्थाएँ, सार्वजनिक नीति तथा समकालीन राजनीतिक मुद्दों में है। वे शोध, अकादमिक लेखन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सक्रिय सहभागिता रखते हैं।

प्रोफेसर डॉ. सुरेन्द्र सिंह राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष, शोध निर्देशक एवं प्राचार्य के रूप में राधेश्याम आर. मोरारका राजकीय महाविद्यालय, झुंझुनूं, राजस्थान में कार्यरत हैं। उनका विशेषज्ञता क्षेत्र भारतीय राजनीति, शासन, लोक प्रशासन तथा उच्च शिक्षा है। वे शोध निर्देशन, अकादमिक प्रकाशनों और संस्थागत नेतृत्व में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

© 2025 नवीन कुमार, प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र सिंह. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/